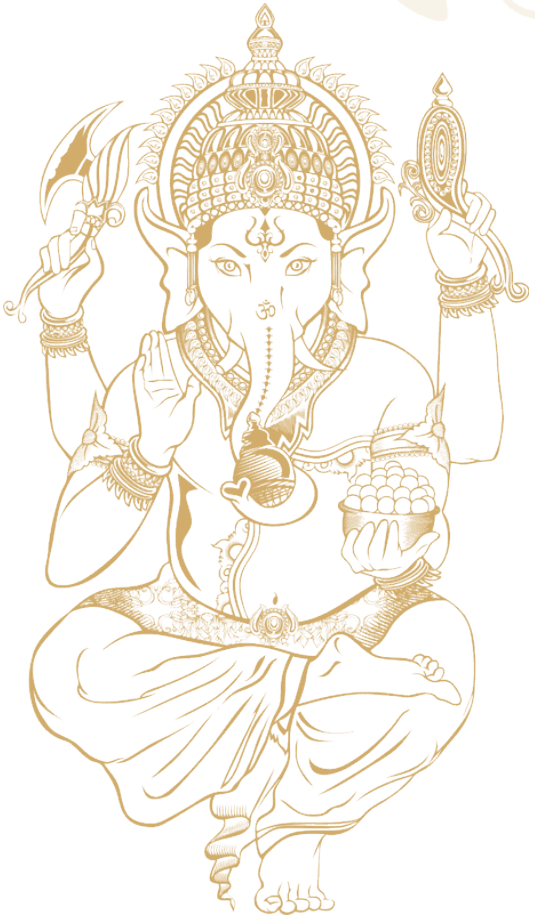

Miss Nomi pegu

21 Aug 1999

06:00 AM

Lakhimpur(North)

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:00:00 घंटे**
इष्ट	02:53:24 घटी
स्थान	**Lakhimpur(North)**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	27:14:00 उत्तर
रेखांश	94:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:47:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:47:00 घंटे
वेलान्तर	-00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	04:42:35 घंटे
सूर्योदय	04:50:38 घंटे
सूर्यास्त	17:45:20 घंटे
दिनमान	12:54:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:41:23 सिंह
लग्न के अंश	18:56:46 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	18:56:46	319:22:38	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			सिंह	03:41:23	00:57:45	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृश्चि	24:57:07	11:54:28	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	28:24:47	00:35:03	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कर्क	16:51:06	01:32:50	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मेष	11:06:38	00:00:49	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	02:51:42	00:37:20	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मेष	23:15:36	00:00:57	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	19:02:33	00:01:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु			मक	19:02:33	00:01:01	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:26:42	00:02:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:27:36	00:01:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	13:53:24	00:00:04	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	18:17:15	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:55

लग्न-चलित

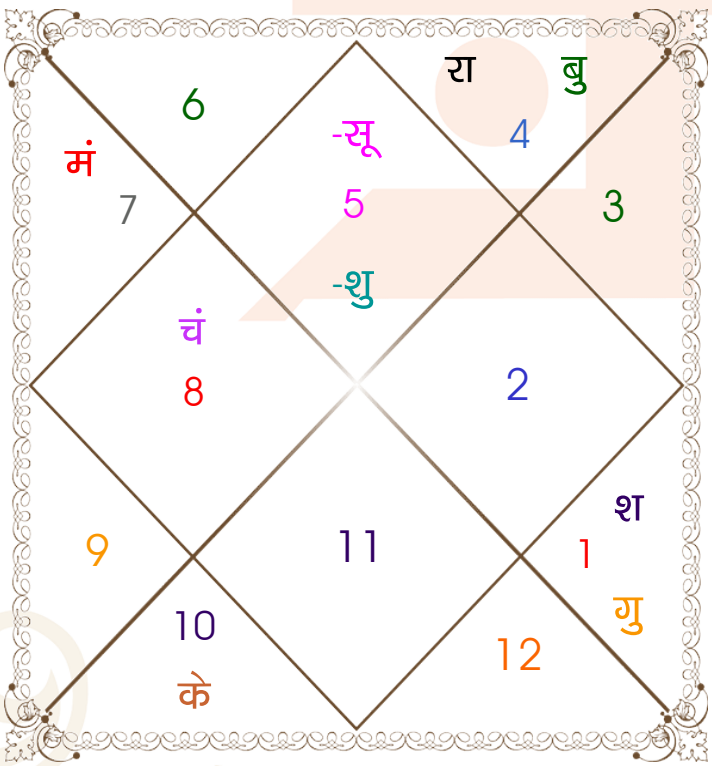

चन्द्र कुंडली

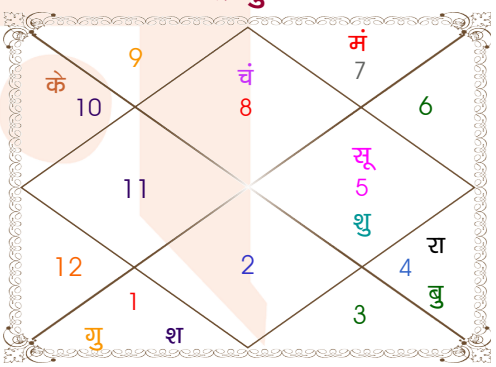

नवमांश कुंडली

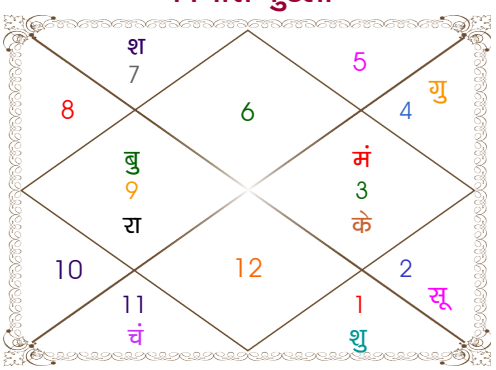

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 5 मास 7 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/08/1999		27/01/2006		26/01/2013		26/01/2033		27/01/2039	
27/01/2006		26/01/2013		26/01/2033		27/01/2039		26/01/2049	
	00/00/0000	केतु	25/06/2006	शुक्र	28/05/2016	सूर्य	16/05/2033	चंद्र	27/11/2039
	00/00/0000	शुक्र	25/08/2007	सूर्य	28/05/2017	चंद्र	15/11/2033	मंगल	27/06/2040
	00/00/0000	सूर्य	31/12/2007	चंद्र	27/01/2019	मंगल	22/03/2034	राहु	27/12/2041
	00/00/0000	चंद्र	31/07/2008	मंगल	28/03/2020	राहु	14/02/2035	गुरु	28/04/2043
	00/00/0000	मंगल	27/12/2008	राहु	29/03/2023	गुरु	03/12/2035	शनि	27/11/2044
	21/08/1999	राहु	14/01/2010	गुरु	27/11/2025	शनि	14/11/2036	बुध	28/04/2046
राहु	11/02/2001	गुरु	21/12/2010	शनि	26/01/2029	बुध	21/09/2037	केतु	27/11/2046
गुरु	20/05/2003	शनि	30/01/2012	बुध	27/11/2031	केतु	27/01/2038	शुक्र	28/07/2048
शनि	27/01/2006	बुध	26/01/2013	केतु	26/01/2033	शुक्र	27/01/2039	सूर्य	26/01/2049

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/01/2049		27/01/2056		27/01/2074		27/01/2090		27/01/2109	
27/01/2056		27/01/2074		27/01/2090		27/01/2109		00/00/0000	
मंगल	25/06/2049	राहु	09/10/2058	गुरु	16/03/2076	शनि	29/01/2093	बुध	26/06/2111
राहु	13/07/2050	गुरु	04/03/2061	शनि	27/09/2078	बुध	10/10/2095	केतु	22/06/2112
गुरु	19/06/2051	शनि	09/01/2064	बुध	02/01/2081	केतु	17/11/2096	शुक्र	23/04/2115
शनि	28/07/2052	बुध	28/07/2066	केतु	09/12/2081	शुक्र	18/01/2100	सूर्य	28/02/2116
बुध	25/07/2053	केतु	16/08/2067	शुक्र	09/08/2084	सूर्य	31/12/2100	चंद्र	29/07/2117
केतु	21/12/2053	शुक्र	16/08/2070	सूर्य	28/05/2085	चंद्र	01/08/2102	मंगल	26/07/2118
शुक्र	20/02/2055	सूर्य	10/07/2071	चंद्र	27/09/2086	मंगल	10/09/2103	राहु	22/08/2119
सूर्य	28/06/2055	चंद्र	08/01/2073	मंगल	03/09/2087	राहु	17/07/2106		00/00/0000
चंद्र	27/01/2056	मंगल	27/01/2074	राहु	27/01/2090	गुरु	27/01/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 5 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।